B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- षष्ठ

आधारभूत पत्र (Core paper) Paper Code BSA-E-611	संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद	पूर्णाङ्क 100 सत्रान्त परीक्षा : 70 सत्रीय मूल्याँकन : 30 क्रेडिट : 06

खण्ड- क (Section-A) भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणाएँ और मूल विशेषताएँ
खण्ड- ख(Section-B)देश का नाम, राष्ट्रीय चिह्न और राष्ट्रवाद का उदय
खण्ड- ग(Section-C) राष्ट्रवादी विचार और आधुनिक संस्कृत साहित्य

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य मेंवर्णित भारतीय राष्ट्रवादकी अवधारणा एवं उत्पत्तिविषयक तत्वों से परिचय कराना है । इस पाठ्यक्रम में उन्नीसवीं शताब्दी में उपनिवेशवाद के विरुद्ध भारतीयों के संघर्ष को प्रस्तुत करता है, जो आधुनिक समय के प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं की राष्ट्रवादी विचारधाराओं पर केन्द्रित है । यहपाठ्यक्रम आधुनिक संस्कृत साहित्य में वर्णित गान्धीवादी विचार की प्रासंगिकता को अवगत करायेगा ।

पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र प्राचीन राष्ट्रीय विचारधारा को जान सकें ।
- छात्रों का राष्ट्र के प्रति समर्पण एवं राष्ट्रीय दायित्व की भावना मे वृद्धि होगी ।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)
भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणाएँ और मूल विशेषताएँ

घटक (Unit)- 1 – राष्ट्र का अर्थ एवं परिभाषा तथा भारतीय राष्ट्र के आवश्यक तत्त्व -
(क) पश्चिमी परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र का अर्थ एवं परिभाषा तथाराष्ट्र के संवैधानिक तत्त्व ।
(ख)भारतीयराष्ट्र की अवधारणा - अर्थ, व्युत्पत्ति और परिभाषाएँ, संस्कृत साहित्यमेंराष्ट्र के आवश्यक तत्त्व, (अथर्ववेद - ११.९.१७,१२.१,१-१२; शुक्लयजुर्वेद-22.22,10-2-4) । राज्य कासप्तांग सिद्धान्त (कौटिल्य का अर्थशास्त्र ६.१,महाभारत,शान्तिपर्व-५६.4-

8,शुक्रनीति -1.61- 62)।

घटक (Unit) – 2 - भारतीय राष्ट्रीयता का अर्थ, परिभाषाएँ और तत्त्व- राष्ट्रीयता के आवश्यक तत्त्व: राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति,स्वतन्त्रता, धार्मिक सहिष्णुता, राष्ट्रीय गौरव, राष्ट्रीय चेतना और नागरिकता ।भारतीय राष्ट्रवाद की प्रमुख विशेषताएं - सामाजिक सामंजस्य, धार्मिक समानता, विश्वबन्धुत्व, अनेकता में एकता और सांस्कृतिक चेतना । अथर्ववेद - १२.१,(पृथिवी सूक्त) राष्ट्रीयता के संवैधानिक तत्त्व

खण्ड –ख (Section–B)

देश का नाम, राष्ट्रीय चिह्न और राष्ट्रवाद का उदय

घटक (Unit) – 1 देश का नाम 'भारतवर्ष' और राष्ट्रीय चिह्न - 'भारतवर्ष' के नाम के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न विचार (वैदिक और पौराणिक साहित्य के अनुसार), भारत के राष्ट्रीय चिह्न, राष्ट्रगान-(जन गण मन),राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम), राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक चक्र', भारतीय कलान्तर (कैलेंडर)-शक - संवत ।

घटक (Unit) – 2 - भारतीय राष्ट्रवाद का उदय और स्वतंत्रता आन्दोलन : आधुनिक काल में राष्ट्रवादी विचारों के प्रमुख कारक पश्चिमी विचारक और शिक्षा के विशेष संदर्भ में, भारत के अतीत की पुनः खोज, विश्व में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन और समकालीन राष्ट्रीय आंदोलनों के प्रभाव।

सामाजिक-धार्मिक राष्ट्रवादी चिंतकों का संक्षिप्त सर्वेक्षण - राजाराममोहन राय,स्वामी दयानंदसरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, महात्मा गांधी, मदन मोहन मालवीय, वीर सावरकर और डॉ० बी.आर अम्बेडकर के विशेष संदर्भ में ।

खण्ड–ग (Section–C)

राष्ट्रवादी विचार और आधुनिक संस्कृत साहित्य

घटक (Unit) 1 - स्वतन्त्रता आंदोलनमें संस्कृत साहित्य का योगदान -

स्वतंत्रता से पूर्व आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण, स्वतंत्रता केउपरान्त आधुनिक संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण ।

घटक (Unit) – 2 - आधुनिक राष्ट्रवादी विचार और गांधीवादी संस्कृत साहित्य : गांधीवादी विचारों
की सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि - 'ग्राम स्वराज' 'सत्याग्रह',अहिंसा , प्रजातन्त्र, और
धार्मिक सहिष्णुता के विशेष सन्दर्भ के साथ । समसामयिक संस्कृत साहित्य पर गांधीवादी विचार यथा -
पंडित क्षमाराव की सत्याग्रहगीता। डॉ. राधेश्याम गंगवारकृत श्रद्धानन्दचरितम् का 22 वें सर्ग के 10,16,17,33,34,35

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

Suggested Books/Readings :

मेधाव्रत आचार्य विरचित दयानंद लहरी । (द्वितीय सर्ग)

1. R.P. Kangale (ed.), Arthashastra of Kautilya, Motilal Banarasidas, Delhi, 1965.
2. R.T.H. Griffith (Trans.), Atharvaveda Samhita (2 Vols), Banaras, 1968.
3. H.P. Shastri (English Trans.), Mahabharata (7 Vols), London, 1952-59.
4. H.P. Shastri (Eng. Tr.), Ramayana of Valmaki (3 Vols), London, 1952-59.
5. H.H. Wilson (Eng. Tr.), Visnu purana, Punthi Pustak, Calcutta, 1961.
6. उदयवीरशास्त्री (अनु.), कौटिलीय अर्ताशास्त्र, मेहरचंद लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968 ।

7. रामनारायणदत्त सहस्त्री पाण्डेय (अनु.), महाभारत (1-6 भाग)हिंदी अनुवादसहित,गीताप्रेस, गोरखपुर।
8. सातवलेकर, यजुर्वेद हिंदीअनुवादसहित , श्रीपाददामोदर, पारडी।
9. मुनिलालगुप्त (अनु.), विष्णुपुराणहिंदीअनुवाद सहित, गीताप्रेस,गोरखपुर।
10. शतपथब्राह्मण (1-5 भाग) माध्यंदीनीयशाखा, सायणाचार्यएवंहरीस्वामीटीकासिहत, दिल्ली।
11. शिवशंकर मिश्र,शुक्रनीति हिंदी अनुवाद, चौखम्भा संस्कृतसीरीज, वाराणसी, 1968।
12. पिपंडिता क्षमाराव,सत्याग्रहगीतापेरिस, 1932।
13. जानकीनाथ शर्मा (संपाश्रीमद्वाल्मीकिरामायणम् (1-2 भाग) हिंदीअनुवादसहित, गीताप्रेस गोरखपुर।
14. अनूप चंद कपूर ,राजनीती विज्ञान के सिद्धान्त, प्रीमियर पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली, 1967।
15. योगेंदरा स्वामी (संपा.), राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, काशीअधिवेशन स्मृति ग्रन्थ,2001 दिल्ली, 1991।
16. शशि तिवारी,संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवाद एवं भारतीय राजशास्त्र, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2007।
17. शशि तिवारी, राष्ट्रीयता एवं भारतीय साहित्य, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2113।
18. हरिनारायण दीक्षित, दिल्ली, 2006।
19. इकबालनारायण,आधुनिक राजनैतिक विचारधाराएं , ग्रन्थ विकास, जयपुर, 2001।
20. पुष्पेन्द्रकुमार (संपा.), पुराणों में राष्ट्रीयएकता, नागप्रकाशनदिल्ली।
21. अजयकुमारमिश्र, मथुरामथुराप्रसाद दीक्षितकेनाटक, प्रकाशनविभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, 2002।
22. बाबूगुलाबराय,राष्ट्रीयता, किताबघरदिल्ली, 1996। दिल्ली, 1953।
23. S.K. Belvalkar, Mahabharata: Santi Parvam, 1954.
24. B. Chakrabarty, and R. Pandey, Modern Indian Political Thought, Sage Publications,

New Delhi, 2110.
25. P. Chatterjee, The Nation and its Fragments: Colonial and Postcolonial Histories,
New Delhi, Oxford University Press, 1993.
26. M.K. Gandhi, The Collected Works of Mahatma Gandhi, Ahmedabad, Navajivan,
1958.
27. M. N. Jha, Modern Indian Political Thought, Meenakshi Parkashan,
Meerut.
28. R. Pradhan, Raj to Swaraj, Macmillan, New Delhi, 2008.
29. Hiralal Shukla, Modern Sanskrit Literature, Delhi, 2002.